## 10 साल बाद मिले पिता-पुत्र

# गुजरात और उत्तरप्रदेश के मध्य, कड़ी बना राजस्थान

कानून और अवाम

**जयपुर।** इसे पिता- पुत्र और उनके परिवार पर ईश्वर की कृपा कहें, या लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान एवं बाल कल्याण समिति, जयपुर (राजस्थान) के प्रयासों का नतीजा या फिर गुजरात सरकार के राजकोट चिल्ड्रन होम के अधिकारियों की दुआओं का असर, कि फिल्मी स्टाइल में 10 साल बाद एक परिवार को उसके जिगर का टुकड़ा वापस मिल पाया। जहाँ एक तरफ 7 साल बाद कानून भी किसी लापता को मृत मान लेता है, वहीं दूसरी तरफ 10 साल बाद हुआ यह मिलन किसी चमत्कार से कम नहीं है।

### यूं चला समय का पहिया

गलत ट्रेन ने पहुंचाया कानपुर (उत्तर प्रदेश) के बजाय ओखा (गुजरात), यह कहानी इटावा (उत्तर प्रदेश) में रहने वाले विशाल की है, जो 10 साल की उम्र में सन् 2008 में अपने पिता के थप्पड़ मारने से नाराज होकर घर से निकल गया। विशाल ट्रेन से अपने मामा के घर जाना चाहता था, लेकिन गलत ट्रेन में बैठने के कारण कानपुर के बजाय ओखा (गुजरात) जा पहुंचा। परिवार ने विशाल की काफी तलाश की और पुलिस में भी रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर ओखा रेल्वे पुलिस ने रेल्वे स्टेशन पर भटकते इस 10 वर्षीय बालक को बाल कल्याण समिति के माध्यम से पुनर्वासित कराया और फिर यह बालक जामनगर आश्रय गृह से होता हुआ 11 जून, 2009 को गुजरात सरकार के राजकीय चिल्ड्रन होम, राजकोट में स्थानान्तरित किया गया। उस समय बालक अपने नाम और पिता के नाम के अलावा केवल इटावा, जयपुर ही बता पा रहा था, जो इसके रिकॉर्ड में लिख दिया गया। इसके बाद से विशाल लगातार इसी होम में आवासित रहा और यहीं इसकी शिक्षा- दीक्षा होती रही। साल- दर- साल बीतने के साथ- साथ विशाल की यादें धुंधली होती चली गई और वह अपने बचपन की यादों को धीरे- धीरे भूलता हुआ चिल्ड्रन होम को ही अपना परिवार मानने लग गया। इतना ही नहीं, विशाल हिन्दी भाषा को भूलकर पूर्णतया गुजरातीभाषी हो गया।

### देवदूत बनकर आये जयेश

लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान और बाल कल्याण समिति, जयपुर

अक्टूबर, 2017 में गुजरात सरकार के अधिकारी जयेश कुमार द्वारा इस चिल्ड्रन होम में प्रोबेशन अधिकारी के पद पर कार्यग्रहण किया गया, जो विशाल के लिए देवदूत बनकर आये। उन्होंने विशाल से मिलने और उसकी फाइल देखने के बाद उसे उसके परिवार से मिलाने के लिए प्रण कर लिया। अपने इस प्रण को पूरा करने के लिए जयेश कुमार ने लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान को विशाल का मामला बताया और अभियान द्वारा बाल कल्याण समिति, जयपुर के साथ मिलकर विशाल का परिवार तलाश करने के प्रयास प्रारंभ किये गये। इसी बीच विशाल की फाइल पर इटावा, जयपुर लिखा होने के कारण कानूनी प्रावधानों के तहत इसे मई, 2018 में राजकोट (गुजरात) से बाल कल्याण समिति, जयपुर (राजस्थान) स्थानान्तरित किया गया, परन्तु भाषा संबंधी समस्या सबसे बड़ी बाधा बनकर आई। लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान के संस्थापक राहुल शर्मा और बाल कल्याण समिति, जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से दुभाषिया की मदद से विशाल की एक बार फिर काउंसिलिंग की गई और विशाल का परिवार तलाश करने हेतु नये सिरे से एक बार फिर संयुक्त प्रयास प्रारंभ किये गये। विशाल की गुजराती भाषा ना समझ पाने के कारण इसे वापस गुजरात लौटा दिया गया।

### अंततः प्रयासों को मिली सफलता

विशाल के परिवार की इस खोज ने प्रयासों की दिशा को इटावा (उत्तर प्रदेश) की ओर मोड़ दिया और सोशल मीडिया की सहायता से वहाँ की पुलिस एवं आम जनता का भी सहयोग लिया गया। कहते हैं कि जब भी आप कोई अच्छा काम करते हो, तो सारी कायनात आपका साथ देने लग जाती है। विशाल की किस्मत में भी शायद 10 साल बाद अपने परिवार से मिलना लिखा हुआ था, इसीलिए इन प्रयासों में सफलता मिली और 29 मई, 2018 की रात्रि 11 बजे विशाल के परिवार को इटावा (उत्तर प्रदेश) में खोज लिया गया। विशाल के पिता महेन्द्र सैनी और भाई रोहित सैनी से बात की गई और उन्हें व्हाट्सएप पर विशाल के बचपन की फोटो दिखाई गई, तो उन्होंने तुरन्त भावुक होकर अपने विशाल को पहचान लिया। 9 जून को विशाल के पिता और चाचा राजकोट पहुँचे और भाव विव्हल माहौल में 10 साल बाद अपने जिगर के टुकड़े से मिलकर बहुत प्रसन्न हुए।

### आभार जताने पहुंचे जयपुर

विशाल और उसके परिवार की खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राजकोट से निकलकर सीधे अपने निवास इटावा (उत्तर प्रदेश) जाने के बजाय वे लॉस्ट फाउण्ड पर्सन और बाल कल्याण समिति, जयपुर का आभार जताने 10 जून को जयपुर पहुँचे और इसके बाद देर शाम इटावा के लिए रवाना हुए। इतने सालों बाद मिली इस अप्रत्याशित खुशी की चमक उनकी आंखों में साफ देखी जा रही थी।

### इनका रहा सहयोग

10 साल पहले परिवार से बिछुड़े हुए बालक को उसके परिवार से मिलाने के इस नायाब पल में लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान, बाल कल्याण समिति, जयपुर एवं राजकीय चिल्ड्रन होम, राजकोट (गुजरात) के प्रोबेशन ऑफिसर जयेश कुमार का विशेष सहयोग रहा। लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान के संस्थापक जयपुर निवासी राहुल शर्मा ने इस सफलता हेतु बाल कल्याण समिति, जयपुर के अध्यक्ष नरेन्द्र सिखवाल, सदस्य निशा पारीक, मीना यादव एवं आनन्द बिहारी पारीक, गुजरात निवासी जयेश कुमार, कोटा जिला निवासी मनीष पंकज, कलकत्ता निवासी श्रीगोपाल तापड़िया सहित इस अभियान से जुड़े हुए समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष देशव्यापी सहयोगियों का हार्दिक आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सम्मिलित प्रयासों से विशाल के परिवार को तलाशा जा सका।

**सोशल** मीडिया और लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान के सहयोग से बाल कल्याण समिति, जयपुर अपने प्रयासों में सफल हुई और हम 10 साल बाद विशाल को उसके परिवार से मिला पाये।
**-नरेन्द्र सिखवाल**
अध्यक्ष,
बाल कल्याण समिति, जयपुर

**मई,** 2018 में विशाल की बाल कल्याण समिति, जयपुर और लॉस्ट फाउण्ड पर्सन द्वारा की गई काउंसिलिंग ने हमें इसका परिवार तलाश करने की एक नई दिशा प्रदान की और उत्तर प्रदेश की इटावा पुलिस एवं आमजनता का साथ लेकर हम विशाल को उसके परिवार से मिला पाये।
**-निशा पारीक,** सदस्य, बाल कल्याण समिति

**विशाल** 2008 से लापता था और लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान ने सी.डब्ल्यू.सी., जयपुर और चिल्ड्रन होम, राजकोट के अधिकारीगण के सहयोग से 2018 में इसका परिवार तलाशा। रात 11 बजे परिवार ट्रेस होना मेरे लिए अत्यन्त सुखद पल था।
**-राहुल शर्मा,** संस्थापक, लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान

**मैं** 10 साल बाद अपने बेटे से मिलकर बहुत खुश हूँ और इसे मिलाने के लिए सहयोग देने वाली सभी संस्थाओं का धन्यवाद देता हूँ। मैं इतना अधिक प्रभावित हूँ कि राजकोट से इटावा जाने के बजाय पहले जयपुर आया हूं।''
**-महेन्द्र सैनी,**
विशाल के पिता

## भागवत कथा के साथ पितृ तर्पण और हवन सम्पन्न

# विद्यानंद बाबा की बगीची में अतृप्त आत्माओं की शांति के लिए अनुष्ठान

कानून और अवाम

**जयपुर।** जीवित लोगों की सुख-समृद्धि के लिए तो बहुत से धर्म-कर्म और दान-पुण्य किये जाते हैं, लेकिन मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए शायद ही कोई सार्वजनिक अनुष्ठान हुआ हो। जानकारी अनुसार अतृप्त आत्माओं की शांति के लिए ऐसा अनुष्ठान जयपुर में पहली बार हुआ है। कार्यक्रम का आयोजन झोटवाड़ा रोड़ पर चांदपोल शमशान के पास स्थित विद्यानंद बाबा की बगीची के दक्षिणमुखी श्री बांकुरे हनुमान मंदिर प्रागंण में महन्त श्री मोहन गिरी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। महन्त श्री मोहन गिरी जी महाराज ने बताया कि इस अघोर पीठ की स्थापना महान तांत्रिक बाबा विद्यानंद महाराज ने की थी। वे स्वयं इस गुरू परम्परा के नौवें महन्त है। एक दिन श्री हनुमान जी महाराज की आरती करते समय विचार आया कि चांदपोल मोक्ष धाम में अब तक आई आत्माओं की शांति के लिए कोई धार्मिक अनुष्ठान करवाया जाए। पुरूषोतम मास में भागवत से श्रेष्ठ कोई अनुष्ठान नहीं है। उन्होंने बताया कि परम पूज्य श्री श्री 1008 विद्यानंद जी महाराज व श्री गुरूदेवों की अनुकम्पा से बगीची में श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव एवं पूर्णाहुति यज्ञ का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की शुरूआत कलश यात्रा से हुई। इसके बाद वृंदावन से पधारे श्री केशव कृष्ण जी महाराज के श्रीमुख से प्रसंगानुसार कथा का वाचन किया गया। सभी भक्तजनों ने श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आनंद लिया। महाराज जी ने कथा के दौरान ध्रुव चरित्र, भरत चरित्र, वामन देव अवतार, प्रहलाद चरित्र, श्रीकृष्ण जन्म, राम जन्म, गोवर्धन पूजन, बाल कृष्ण लीला, रूकमणि विवाह, गोपी गीत, सुदामा चरित्र और शुक देव पूजा हवन का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम के अन्त में पितृ तर्पण, पूर्णाहूति कर कथा को विश्राम दिया गया। मंच संचालन श्री बृजबिहारी दीक्षित जी महाराज ने किया। अनुष्ठान के इस मौके पर गौ-पूजन सहित भंडारे में सभी भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। महन्त श्री मोहन गिरी जी महाराज ने बताया कि अनुष्ठान के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। अनुष्ठान में समाजसेवी रमेश चक्रपाणी, संजय खण्डेलवाल, एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा, रामचन्द्र देगडा, जंगबहादुर, रविन्द्र, रमेश प्रधान, दिनेष सोनी, कन्हैयालाल, विजय सोनी, दुर्गाशंकर खण्डेलवाल, आगाज केसरी संपादक सुनिल शर्मा सहित अनेकानेक भक्तों नें अपनी सेवाएं दी। कथा के दौरान प्रभु को रिझाने के लिए भक्तगण बार-बार नृत्य करते नजर आए। उन्होंने विश्वास जताया है कि समय-समय पर सार्वजनिक हित के ऐसे अनुष्ठान भविष्य में सम्पन्न होते रहेंगे। अन्त में महन्त श्री मोहन गिरी जी ने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर सभी के मंगल भविष्य की भगवान से प्रार्थना की।

# जयपुर के मल्टी प्रोडक्ट सेज का शुभारंभ

जयपुर

प्रदेश के उद्योग मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने गुरुवार को महिंद्रा वर्ल्ड सिटी, जयपुर के मल्टी प्रोडक्ट सेज का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्य के मुख्य सचिव डीबी गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव ( उद्योग) राजीव स्वरूप और नोएडा एसईजेड के डेवलपमेंट कमिश्नर डॉ. एल. बी सिंघल भी मौजूद रहे। समारोह में सिग्मा इलैक्ट्रिक और एरो ग्रेनाइट ने नए लॉन्च किए गए मल्टी प्रोडक्ट सेज में विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के लिए सहमति पत्र पर भी हस्ताक्षर किए। समारोह को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने कहा कि देश और प्रदेश में औद्योगिक निवेश का वातावरण लगातार बन रहा है। इसी के चलते दक्षिणी राज्यों से भी निवेशक राजस्थान में निवेश कर रहे है। उन्होंने कहा कि मल्टी प्रोडक्ट एसईजेड की लॉन्चिंग राजस्थान को विकास के मार्ग पर आगे ले जाएगी, ऐसा उन्हें विश्वास है। प्रदेश के मुख्य सचिव डीबी गुप्ता ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से औद्योगिक आधारभूत संरचना के साथ राजस्थान में विनिवेश को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। एसीएस राजीव स्वरूप ने कहा कि महिंद्रा वर्ल्ड सिटी जयपुर में मल्टी प्रोडक्ट एसईजेड का नोटिफिकेशन महिंद्रा लाइफस्पेसेज डेवलपर्स लिमिटेड के साथ हमारी साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे प्रदेश में अधिक निवेश को जुटाना आसाना होगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। समारोह में महिंद्रा लाइफस्पेसेज डेवलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन अरूण नंदा ने कहा कि महिंद्रा वर्ल्ड सिटी जयपुर में मल्टी प्रोडक्ट सेज इस क्षेत्र में निर्यात, एक वाइब्रेंट स्किलिंग ईकोसिस्टम और रोजगार के नए अवसरों के जरिये सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना जारी रखेगा।

सहकारी विभाग कर्मचारी बचत व साख सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर के चुनावों में विजय कुमार शर्मा, अध्यक्ष श्रीमति नियतिराज सिंह, उपाध्यक्ष नीरज शर्मा, सचिव व नीरज संचेती कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुऐ। शुभेच्छुः- नितिन गोधा